No. of Printed Pages : 4

BPYE-001

02934

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all five questions.*
(ii) All questions carry equal marks.
(iii) Answers to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.

---

1. Define religion and discuss the socio-political theories about its origin. **20**

OR

Discuss the traditionally attributed properties of God. **20**

2. Discuss different philosophical responses to religions pluralism. Explain methods that could be applied to resolve conflicting truth claims of different religions. **20**

OR

Explain the significance of religious language. What are the three traditional approaches to religious language ? **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Define religion and discuss the complexities involved in defining it. **10**

(b) Explain the category of the Holy. How will you make clear the difference between religious feelings and the feelings of the sublime ? 10

(c) Explain Mysticism as the intense form of religious experience. 10

(d) Discuss the status of religion in the post-modern world. Do you think being religious in the post-modern world is a difficulty ? 10

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Why is religion important ? 5

(b) Discuss briefly Karl Marx's views on religion. 5

(c) Does every world - view qualify as a religion ? 5

(d) Describe the moral argument for the existence of God. 5

(e) What is religious antagonism ? 5

(f) What are the criteria that William James suggested to indicate the validity of religious experience ? 5

5. Write short - notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Pantheism 4

(b) Praxis 4

(c) Planetization 4

(d) Mana 4

(e) World view 4

(f) Innate idea of God 4

(g) Religious Exclusivism 4

(h) Totemism 4

बी.पी.वाई.ई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. धर्म को परिभाषित कीजिए और इसकी उत्पत्ति से सम्बंधित सामाजिक-राजनैतिक सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए। **20**

अथवा

ईश्वर के पारम्परिक रूप से आरोपित गुणों की विवेचना कीजिए। **20**

2. धार्मिक बहुलतावाद के विभिन्न दार्शनिक प्रतिवादों पर विमर्श करें। विभिन्न धर्मों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विरोधी सत्य दावों के निराकरण के लिए प्रयुक्त सम्भव पद्धतियों की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

धार्मिक भाषा के महत्व की व्याख्या करें। धार्मिक भाषा के प्रति तीन पारम्परिक दृष्टिकोण कौन से है? **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) धर्म को परिभाषित करें और धर्म को परिभाषित करने में निहित कठिनाइयों की विवेचना कीजिए। **10**

(b) पवित्र की कोटि (Category of Holy) की व्याख्या करें। आप धार्मिक अनुभव और उदात्त (sublime) के अनुभव के मध्य अन्तर को कैसे स्पष्ट करेंगे? 10

(c) गहन धार्मिक अनुभव के रूप में रहस्यवाद की व्याख्या करें। 10

(d) उत्तर-आधुनिक विश्व में धर्म की स्थिति की विवेचना करें। क्या आप को लगता है कि उत्तर-आधुनिक विश्व में धार्मिक होना कठिन है? 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए।

(a) धर्म महत्वपूर्ण क्यों हैं? 5

(b) धर्म सम्बंधित कार्ल मार्क्स के विचारों की संक्षेप में व्याख्या करें। 5

(c) क्या प्रत्येक विश्व दृष्टि धर्म हो सकती है? 5

(d) ईश्वर-अस्तित्व में प्रस्तुत नैतिक तर्क का वर्णन कीजिए। 5

(e) धार्मिक प्रतिरोध क्या है? 5

(f) धार्मिक अनुभव की वैधता के पक्ष में विलियम जेम्स द्वारा प्रस्तुत मानदण्ड कौन से हैं? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) सर्वेश्वरवाद 4

(b) आचार 4

(c) ग्रहीकरण (Planetization) 4

(d) माना 4

(e) विश्व-दृष्टि 4

(f) ईश्वर का जन्मजात प्रत्यय 4

(g) धार्मिक विशिष्टीकरण 4

(h) टोटेमवाद 4